

प्रेस रिलीज़

17 मई 2021

भारत द्वारा फिलिस्तीनी उद्देश्य के समर्थन का पॉपुलर फ्रंट ने किया स्वागत

नई दिल्ली: पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के चेयरमैन ओ एम एस सलाम ने भारत की ओर से फिलिस्तीनी उद्देश्य का समर्थन किए जाने का स्वागत किया है।

वर्तमान इजराइल-फिलिस्तीन संकट पर संयुक्त राष्ट्र की खुली बहस में, भारतीय राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने स्पष्ट रूप से फिलिस्तीन के लिए भारत के समर्थन को दोहराया है। भारत ने हिंसा की निंदा भी की और साथ ही बातचीत को नए सिरे से आगे बढ़ाने की मांग भी की। पॉपुलर फ्रंट फिलिस्तीन के समर्थन का स्वागत करता है, जो कि उस सैद्धांतिक स्टैंड के अनुसार है जिसे देश ने इस समस्या के शुरू से अपनाया है। भारत ने हमेशा फिलिस्तीनी जनता के अधिकारों का समर्थन किया है और इजराइली आक्रमण का विरोध किया है।

ओ एम एस सलाम ने गाज़ा की घिरी हुई आबादी पर जारी अंधाधुंध इजराइली बमबारी की निंदा की, जिसमें 200 से अधिक लोगों के मरने जिनमें 25 प्रतिशत से ज़्यादा बच्चे हैं और सैकड़ों लोगों के घायल होने की खबर है। इस मुद्दे का असल कारण इजराइल का फिलिस्तीनी जनता के अधिकार छीनना और अंतरराष्ट्रीय समझौतों का अपमान करना है। संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न प्रस्तावों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा के बावजूद इजराइल ने कभी भी जमीन पर कब्ज़ा करना और फिलिस्तीनियों को जबरन बेदखल करना बंद नहीं किया। जब भी लोगों ने इसका विरोध किया उन्हें बर्बरता और कत्लेआम का सामना करना पड़ा है। यह एक नरसंहार है जो पूरी दुनिया की आंखों के सामने हो रहा है।

नस्लवादी इजराइल के साथ हर बात में सहयोग करते हुए केवल ज़बानी निंदा से वह रुकने वाला नहीं है। इजराइल के साथ रिश्ते बनाने वाले अरब देशों और ओआईसी को इजराइल के साथ हर तरह के कूटनीतिक और आर्थिक संबंधों को खत्म करके फिलिस्तीन के समर्थन के अपने दावे को साबित करना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों को आगे बढ़कर मज़बूत स्टैंड लेते हुए इजराइल पर वैसी ही पाबंदियां लगानी चाहिए जैसी नस्लवादी दक्षिण अफ्रीका पर लगाई गई थीं। इजराइल से उसके अब तक के अपराधों का हिसाब लिया जाए। इसी तरीके से आगे होने वाले खून-खराबे को रोका जा सकता है।

डायरेक्टर, मीडिया एवं जनसंपर्क
मुख्यालय, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया
नई दिल्ली